DRDO की मशिन मोड परयिोजनाओं पर कैग की रपिोर्ट

हाल ही में भारत के नयिंत्रक और महालेखापरीक्षक (CAG) ने एक रपिोर्ट जारी की है जसिमें रक्षा अनुसंधान एवं वकिास संगठन (DRDO) के **मशिन मोड (MM) परयिोजनाओं** की अवधि तथा लागत में वृद्धि को चहि्नति कयिा गया है।

- MM परयिोजनाओं को DRDO द्वारा वशिष्टि उपयोगकर्त्ता आवश्यकताओं और उनके पूरा होने के लयि नश्चिति समयसीमा के आधार पर उच्च प्राथमकिता के साथ शुरू कयिा जाता है।
    - ये परयिोजनाएँ उन तकनीकों पर नरि्भर करती हैं जो पहले से उपलब्ध एवं प्रमाणति हैं तथा DRDO या भारत के भीतर या वदिेश से अल्प सूचना पर आसानी से उपलब्ध हैं।

रपिोर्ट के मुख्य बदिु:

- समग्र परयिोजना प्रबंधन में अक्षमताएँ रही हैं जसिके **परणिामस्वरूप लागत में वृद्धि**, परयिोजनाओं के **प्रत्याशति लाभों का अधकि मूल्यांकन** और रपिोर्ट प्रस्तुत करने में देरी के कई उदाहरण सामने आए हैं।
- सफल परयिोजनाओं के **उत्पादन में वलिंब के मुद्दे** रहे हैं जो ऐसी परयिोजनाओं को शुरू करने के उद्देश्य को ही वफिल कर देते हैं।
- इस तथ्य के बावजूद कि अंतर्नहिति प्रौद्योगकिी की उपलब्धता के कारण MM परयिोजनाओं में बहुत उच्च परणिाम नश्चितिता है, DRDO द्वारा ऐसी परयिोजनाओं की शुरुआत और मंज़ूरी में काफी देरी हुई थी।
- 178 परयिोजनाओं में से 119 में मूल समय-सारणी का पालन नहीं कयिा जा सका।
    - **49 मामलों में** अतरिक्ति समय वास्तव में **मूल समयसीमा के 100% से अधकि था।**
- वलिंब का परास **16 से 500% तक था** और इसमें कई बार वस्तिार कयिा गया था।
- **जनवरी 2010 और दसिंबर 2019 के दौरान सफल घोषति 86 परयिोजनाओं** में से 20 परयिोजनाओं में एक या अधकि प्रमुख उद्देश्य/मापदंड प्राप्त नहीं हुए थे।
    - परयिोजना प्रस्ताव के सभी प्रमुख उद्देश्यों/मापदंडों को प्राप्त करने के लयि समय बढ़ाने की मांग के बजाय इन परयिोजनाओं को सफल मान कर बंद कर दयिा गया।
- **DRDO और सेवाओं के बीच तालमेल की कमी भी थी, जसिके परणिामस्वरूप गुणात्मक आवश्यकताओं, वतिरण और उपयोगकर्त्ता परीक्षणों के परणिामों को लेकर अलग-अलग वचिार थे। इसने MM परयिोजनाओं की समग्र सफलता दर को प्रभावति कयिा।**

CAG:

- भारत के नयिंत्रक और महालेखापरीक्षक (CAG) **भारत के संवधिान के तहत एक स्वतंत्र प्राधकिरण है।**
- यह भारतीय **लेखापरीक्षा और लेखा वभिाग का प्रमुख और सार्वजनकि क्षेत्र** का प्रमुख संरक्षक है।
- इस संस्था के माध्यम से **संसद और राज्य वधिानसभाओं के लयि सरकार एवं अन्य सार्वजनकि प्राधकिरणों (सार्वजनकि धन खर्च करने वाले) की जवाबदेही सुनश्चिति की जाती है तथा यह जानकारी जनसाधारण को दी जाती है।**
- एक बार CAG के **पद से सेवानविृत्त होने/इस्तीफा देने के बाद वह भारत सरकार या कसिी भी राज्य सरकार के अधीन कसिी भी कार्यालय का पदभार नहीं** ले सकता।
- **अनुच्छेद 148 CAG के एक स्वतंत्र कार्यालय का प्रावधान करता है।**
    - CAG से संबंधति अन्य प्रावधानों में शामलि हैं: **अनुच्छेद 149-151 (कर्तव्य और शक्तयिाँ,** संघ एवं राज्यों के खातों का प्रपत्र तथा लेखापरीक्षा रपिोर्ट), अनुच्छेद 279 (शुद्ध आय की गणना आदि), तीसरी अनुसूची (शपथ या प्रतज्ञि्ञान), छठी अनुसूची (असम, मेघालय, त्रपिुरा व मज़िोरम राज्यों में जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन)।

DRDO

- **परचिय :**
    - DRDO **रक्षा मंत्रालय का रक्षा अनुसंधान एवं वकिास वगि है**, जसिका लक्ष्य भारत को अत्याधुनकि रक्षा प्रौद्योगकियिों से सशक्त बनाना है।
    - आत्मनरि्भरता व सफल स्वदेशी वकिास एवं सामरकि प्रणालयिों तथा प्लेटफॉर्मों जैसे- अग्नि और पृथ्वी शृंखला मसिाइलों के उत्पादन की इसकी खोज जैसे- हल्के लड़ाकू वमिान, तेजस: बहु बैरल रॉकेट लॉन्चर, पनिाका: वायु रक्षा प्रणाली, आकाश: रडार और इलेक्ट्रॉनकि

युद्ध प्रणालियों की एक विस्तृत शृंखला आदि ने भारत की सैन्य शक्ति को प्रभावशाली निरोध पैदा करने तथा महत्त्वपूर्ण लाभ प्रदान करने में प्रमुख योगदान दिया है।

- **DRDO के विभिन्न कार्यक्रम:**
  - **एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP):**
  - यह मिसाइल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय रक्षा बलों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु **डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम** के प्रमुख कार्यों में से एक था।
  - IGMDP के तहत विकसित मिसाइलें हैं: पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल, आकाश, नाग।
  - **मोबाइल ऑटोनोमस रोबोट सिस्टम (MARS):**
    - MARS लैंड माइन्स और **इनर्ट एक्सप्लोसिव डिवाइसेज़ (Inert Explosive Devices- IEDs) को संभालने** के लिये एक स्मार्ट मज़बूत रोबोट है जो भारतीय सशस्त्र बलों से शत्रुओं को दूर कर निष्क्रिय करने में मदद करता है।
    - कुछ एड-ऑन के साथ इस प्रणाली का उपयोग वस्तु के लिये ज़मीन खोदने और विभिन्न तरीकों से इम्प्रवाइज़्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस को डिफ्यूज़ करने हेतु भी किया जा सकता है।
  - **लद्दाख में सबसे ऊँचा स्थलीय केंद्र:**
    - लद्दाख में DRDO का केंद्र पैंगोंग झील के पास चांगला में समुद्र तल से 17,600 फीट ऊपर है, जिसका उद्देश्य **प्राकृतिक और औषधीय पौधों के संरक्षण के लिये एक प्राकृतिक कोल्ड स्टोरेज इकाई के रूप में कार्य करना है।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष का प्रश्न

??????????

प्रश्न. भारत में यह सुनिश्चित करने के अलावा कि सार्वजनिक निधियों का उपयोग कुशलतापूर्वक एवं उनके इच्छित उद्देश्य के लिये किया जाता है, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (CAG) के कार्यालय का क्या महत्त्व है?(2012)

1. जब भारत का राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपातकाल/वित्तीय आपातकाल की घोषणा करता है, उस समय CAG संसद की ओर से राजकोष पर नियंत्रण रखती है।
2. मंत्रियों द्वारा परियोजनाओं या कार्यक्रमों के निष्पादन पर CAG रिपोर्ट पर लोक लेखा समिति द्वारा चर्चा की जाती है।
3. CAG रिपोर्टों की जानकारी का उपयोग जाँच एजेंसियों द्वारा उन लोगों के खिलाफ आरोपों को दबाने के लिये किया जा सकता है जिन्होंने सार्वजनिक वित्त का प्रबंधन करते समय कानून का उल्लंघन किया है।
4. सरकारी कंपनियों के ऑडिट और अकाउंटिंग से निपटने के दौरान CAG के पास कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाने की कुछ न्यायिक शक्तियाँ हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सही है / हैं?

(a) केवल 1, 3 और 4
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर : (c)

?????

प्रश्न.“नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका है।” समझाएँ कि यह उसकी नियुक्ति की पद्धति और शर्तों के साथ-साथ उसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियों की सीमा में कैसे परिलक्षित होती है? (2018)

प्रश्न. संघ एवं राज्यों की लेखाओं के संबध में नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की शक्तिओं का प्रयोग भारतीय संविधान के अनुच्छेद 149 से व्युत्पन्न है। चर्चा कीजिये कि क्या सरकार की नीति कार्यान्वयन की लेखापरीक्षा करना अपने स्वयं (नियंत्रक और महालेखापरीक्षक) की अधिकारिता का अतिक्रमण करना होगा या नहीं। (2016)

स्रोत : द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cag-slams-drdo-for-delays